# *Day of Immunology 2021*

## Creative Entries from
## ACTREC Staff and Students

**Thursday, 29th April, 2021**

**ACTREC, Kharghar, Navi Mumbai**

# Short Films/ Videos

## Short Film - 1st Rank

Mrs Sharda Haralkar

## Short Film – 2nd Rank

Mr Naresh Mahida

## Short Film – 2nd Rank

Ms Ulka Sawant

# Painting- 1st Rank

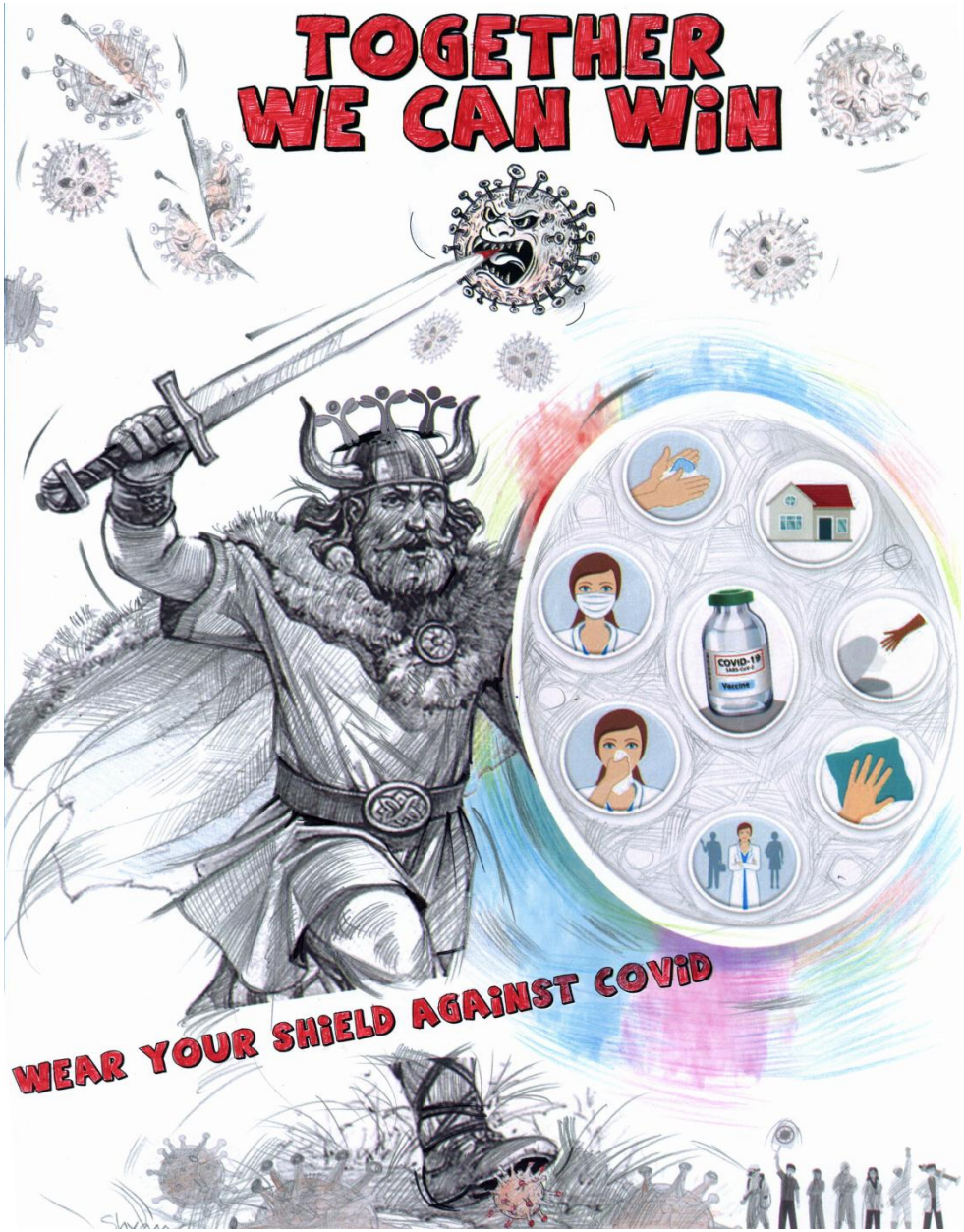


**Mr Shyam Chavan**

# Sketch- 1st Rank

**Ms Supriya Hait**

# Sketch- 2nd Rank

**Ms Deepshikha Dutta**

# Photo 1st Rank

## Hope for better 2021

# Rangoli- 1st Rank

## Rangoli- 2nd Rank

# Rangoli- 2nd Rank

# Poetry- 1st Rank

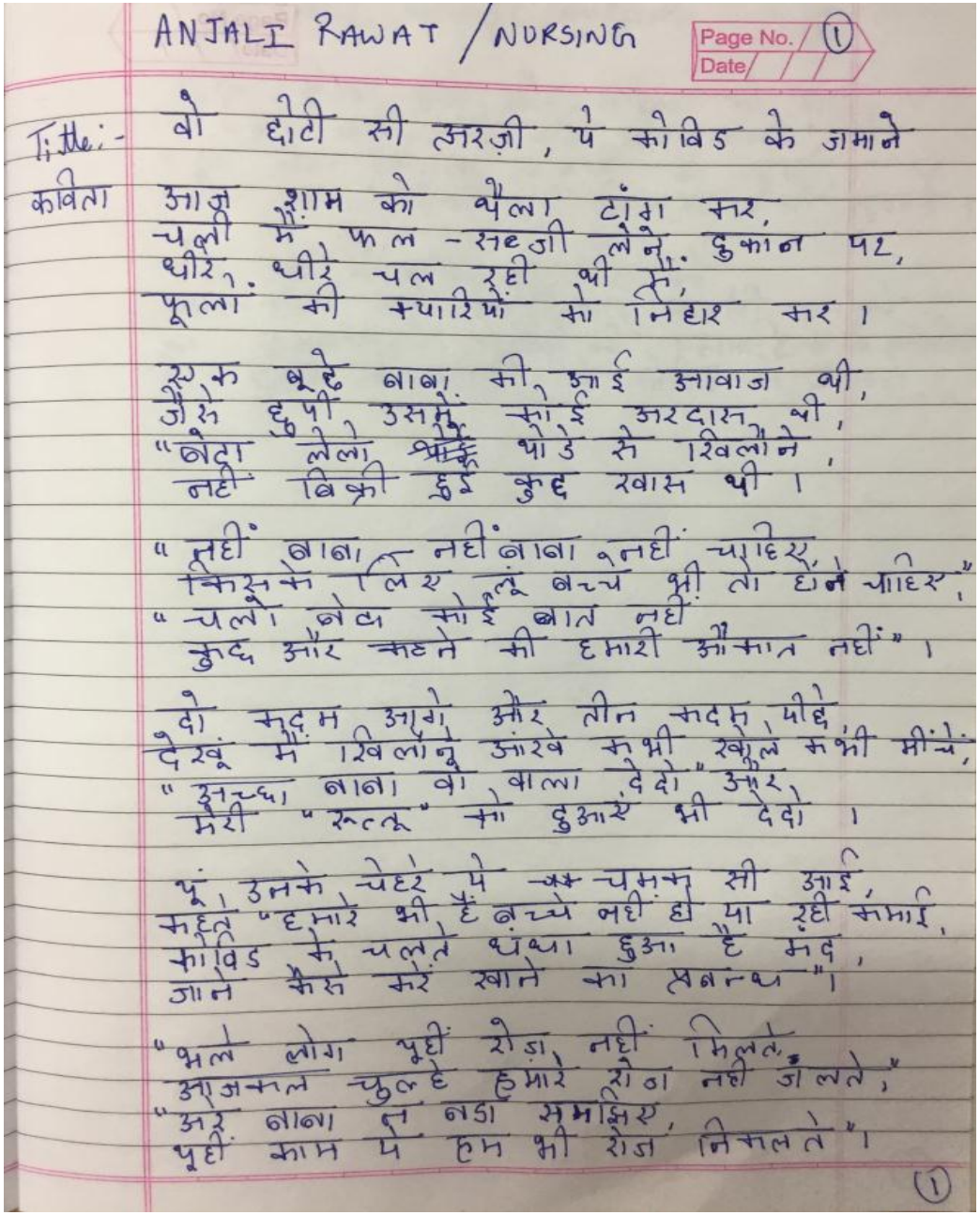

ANJALI RAWAT / NURSING



Title:- वो छोटी सी अरज़ी, पे कोविड के ज़माने

कविता

आज शाम को थैला टांगा कर,
चली मैं फल-सब्जी लेने दुकान पर,
धीरे-धीरे चल रही थी मैं,
फूलों की क्यारियों को निहार कर।

एक बूढ़े बाबा की आई आवाज थी,
जैसे छुपी उसमें कोई अरदास थी,
"बेटा लेलो थोड़े से खिलौने,
नहीं बिक्री हुई कुछ खास थी।

"नहीं बाबा, नहीं बाबा नहीं चाहिए,
किसके लिए लूं बच्चे भी तो होने चाहिए",
"चलो बेटा कोई बात नहीं
कुछ और कहने की हमारी औकात नहीं"।

दो कदम आगे और तीन कदम पीछे,
देखूं मैं खिलौनों को आंखें कभी खोलूं कभी मींचे,
"अच्छा बाबा वो वाला देदो" और,
मेरी "स्कूटू" को दुआएं भी देदो।

यूं उनके चेहरे पे चमक सी आई,
कहते "हमारे भी हैं बच्चे नहीं हो पा रही कमाई,
कोविड के चलते धंधा हुआ है मंद,
जाने कैसे करें खाने का प्रबन्ध"।

"भले लोग यूहीं रोज़ नहीं मिलते,
आजकल चूल्हे हमारे रोज़ नहीं जलते,"
"अरे बाबा न बड़ा समझिए,
यूहीं काम पे हम भी रोज निकलते"।

# Poetry- 2nd Rank

ये क्या लफड़ा हो गयेला है।

किसकी पनोती से ये वाट लग गयेली है।
एक एक ऑफिस खाली पड़ेला है,
ना धंधा है ना नौकरी।
सब लोग घर के अंदर कैद हो गयेला है।
गेट पे ताला लगा, चुप है चौपाटी,
आखा मरीन ड्राईव उजड़ा है,
ना देखा छोकरा ना छोकरी।

बन्द है मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारा, दर्गा,
चर्च भी चुप है।
बन्द है फाउन्टन का फव्वारा।
ना चिलम चीली, ना मछी के पानी का टोक
ना फिलम, ना मोल, ना वडापाव की गाडी।
ना दंगा ना पंगा
ना चोरी ना मारामारी।
अरे कितना दिन हुआ गालीच नहीं सुना।

कितना दिन हुआ हाईवे पे ट्राफिक जाम नहीं
साला रस्ते का कुत्ता भी,
आदमी को ढुंडता फिर रहेला है।
ये क्या लफड़ा हो गयेला है।।

आखा मुंबई बना है अपुन का घर,
ये गर्दी भागंभाग शोरशराबा,
अपना जिंदगी बनेला है।
चल रहा था मस्त अपना लाईफ,
के कोई बोला कोरोना आयला है।
आखा मुंबई, आखा देश बन्द हो गयेला है।
साला ये क्या लफड़ा हो गयेला है।।



साला कोरोना दिखता कैसा है,
पुछा आपुन, किसीने देखा है।
मालुम पड़ा बीमारी है, लेकिन जान लेती है।
सब लोग डर गयेला है,
सब की फट गयेली है।
पर भगवान के माफिक,
डॉक्टर, नर्स भाग रहेला है।
दवाईवाला, बैंकवाला, सफाईवाला रोज आता है।
हर नाके पर पोलिसवाला खड़ा है,
घर जा बोलता है।
साला ये क्या नया लफड़ा हो गयेला है।।

नहीं देख सकता बच्चों को घर,
में कैद होते हुए।
अब बहुत हो गया,
उपरवाले आखरीबार, कुछ मांग रहेला है।
छोड दे, छोड दे,
आखा शहर, आखा देश को।
बस अभी आले, उठाले कोरोना को।
वापस आपी मुंबई, आखा देश,
पहले जैसा होने को।
बस इतना दे दो मालिक,
अब सच में और कोई लफड़ा नहीं मांगता।।

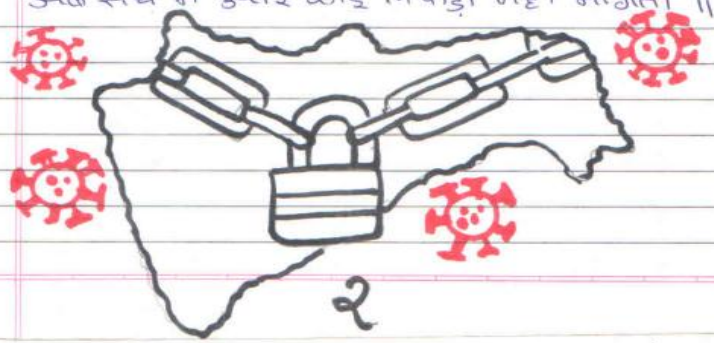

# Slogan- 1st Rank

1) कोरोनाने प्रसार करताना
ना बघितली जात ना धर्म
सुरक्षतेसाठी मास्क लावणे
हेंच आपले कर्म

2) सगळ्यात श्रेष्ठ दान
आहे रक्तदान
करोनाच्या विरोधातील
लस्सीकरणाला देऊ पहिला मान

3) करोनाने ना देखी जात
ना देखा धर्म
मास्क लगाना है
अब सबका कर्म

4) What is your religion or cast
Corona never asks
for our safety
wear proper masks

श्री.धनंजय कावले
CC No. 470060
Dutt lab

# Slogans- 2nd Rank

१ छोड़ो अब कोरोना का रोना, आओ दटकर करें सामना,
मानकर घर को अब, मंदिर, दफ्तर, पाठशाला,
सुरक्षा और सावधानियों से कोरोना को मार गिराना ।

२ सुनकर इस महामारी का शोर,
मत करो दिमाग अपना कमज़ोर,
देकर हमेशा सुरक्षा पर ज़ोर,
संभाल पाओगे अपने जीवन की डोर ।

३ कोरोना ने बदला है वक्त,
मानव जीवन बन गया है सख्त ।
घर बैठकर रहो तुम व्यस्त,
दो गज़ की दूरी से रहोगे तुम स्वस्

- **वैशाली कैलाजे**

**“या मिळुनी सरकारी नियमावली चे पालन करू,
घर बसल्या कोरोनाला पळवून लावू,
पुढील आयुष्य कोरोना मुक्त जगू”.**

**Yogesh More**